>

Title: Need to formulate policy promoting use of ethanol as a fuel.

**श्री सुभÂाÂष सुरेशचंद्र देशमुख (शोलापुर) :** महोदय, आज विश्व के देश पेट्रोल का विकल्प ढूंढ रहे हैं तथा विश्व के विकसित देश जिनमें यू0एस0ए0, ब्राजील, आस्ट्रेलिया, जापान इत्यादि मुख्य हैं, के द्वारा इथोनॉल के रूप में पैट्रोल का विकल्प तलाश करके इसका समुचित उपयोग किया जा रहा है। इन देशों के द्वारा इथोनॉल का पैट्रोल में बहुत ही अच्छे तरीके से मिश्रण किया जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि भारत में इथोनॉल की संभावना नहीं है। भारत में इसकी बहुत अधिक संभावना है। हमारे देश में इथोनॉल कार्यक्रम बहुत धीमी गति से चल रहा है। लेकिन, वास्तविकता तो यह है कि हमारे देश में इथोनॉल कार्यक्रम अभी तक सुचारू रूप से प्रारंभ ही नहीं हुआ है।

यदि विदित ही है कि हमारे देश के द्वारा पैट्रोल के आयात पर भारी मुद्रा व्यय की जाती है। यदि हमारे देश में पैट्रोल में केवल 10 प्रतिशत इथोनॉल का मिश्रण किया जाता है तो इससे प्रत्येक वÂाऩ हमारे देश को लगभग 2200 करोड़ रूप का लाभ होने का अनुमान है। ब्राजील और अन्य विकसित देशों द्वारा भी इथोनॉल का पैट्रोल में 20 प्रतिशत तक मिश्रण करके भारी मात्रा में पैट्रोल पर व्यय होने वाली मुद्रा की बचत की जा रही है।

मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध हे कि वह इथोनॉल कार्यक्रम में तेजी लाकर इसके समुचित उपयोग के लिए एक नीति शीघ्र तैयार करे ताकि पैट्रोल के आयात पर व्यय की जाने वाली मुद्रा में कमी आ सके और देश में ही पैट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।